संतोष कुमार मल्ल, भा.प्र.से.
आयुक्त
Santosh Kumar Mall, I.A.S.
Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26512579, फैक्स : 91–11–26852680
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016 (India)
Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680
E-mail : kvs.commissioner@gmail.com, Website : www.kvsangathan.nic.in

अपील

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे देश को आज विश्व एक उभरती हुई शक्ति के रूप में देख रहा है। तथापि हमें अभी बहुत कुछ करना बाकी है। एक सशक्त भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब ज्ञान–विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था इत्यादि सभी क्षेत्रों को संघ सरकार की राजभाषा हिंदी से जोड़ें और इनके लाभ जन–जन तक पहुँचे।

स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से 14 सितंबर, 1949 को यह निर्णय लिया था कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस प्रकार कार्यालय का काम–काज हिंदी में करना हम सभी के लिए संवैधानिक कर्तव्य भी है। वैसे भी हिंदी में कार्य करना हमारे लिए गौरव का विषय है। दूसरी तरफ जब कोई सरकारी काम मूलरूप से अंग्रेजी में तैयार कर हिंदी अनुवाद के रूप में प्रयोग किया जाता है तो हिंदी का स्वरूप अधिक जटिल एवं कठिन हो जाता है। अतः अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद की शैली को तुरंत बदलने की सख्त आवश्यकता है, साथ ही कार्यालयों में टिप्पणियों और पत्रादि में आसानी से समझ में आने वाले शब्दों का अधिकाधिक प्रयोग हो, यही अपेक्षित है। जहाँ तक हो सके पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग किया जाए और यदि कोई तकनीकी शब्द हिंदी में कठिन लगे तो उस शब्द का अंग्रेजी पर्याय कोष्ठक में लिख देना चाहिए। वैसे भी वर्तमान में अनेक अंग्रेजी शब्द भारतीय भाषाओं में प्रचलित हो चुके हैं उन शब्दों का हिंदी में अनुवाद प्रयास न करके उन्हें देवनागरी लिपि में जैसे का तैसा लिख देने से वाक्य अधिक सरल बनाया जा सकता है, जैसेः– फीस, वेबसाइट, इंटरनेट, कम्प्यूटर, की–बोर्ड, पेन–ड्राइव, मशीन, पैरा, ब्लॉग इत्यादि।

संक्षेप में सरकारी कामकाज में सरल, सहज, स्वाभाविक और बोधगम्य हिंदी का प्रयोग करने से समाज के विभिन्न वर्गों में हिंदी न केवल लोकप्रिय होगी अपितु अधिक विशाल क्षेत्र और जनता द्वारा प्रयोग में लाई जा सकेगी। आइए हिंदी दिवस के इस अवसर पर यह संकल्प लें कि सरकारी काम में निर्धारित लक्ष्यों को हम शत–प्रतिशत प्राप्त करेंगे।

जय हिंद

जय हिंदी

संतोष

दिनाँकः – 14 सितंबर, 2019

(संतोष कुमार मल्ल)
आयुक्त